भारत-पोलैंड MSME सहयोग डिजिटल परिवर्तन और नवाचार पर नया जोर, जानिए कैसे बदलेगी कारोबार की तस्वीर

विषय सूची (Table of Contents):

>> द्विपक्षीय बैठक भारत-पोलैंड ने एमएसएमई सहयोग के नए आयामों पर की चर्चा...
>> बैठक के मुख्य उद्देश्य...
>> भारत का एमएसएमई क्षेत्र आर्थिक विकास, रोजगार और निर्यात का मजबूत स्तंभ...
>> भारतीय एमएसएमई के आंकड़े (ताजा आंकड़े)...
>> सरकार की प्रमुख पहलें डिजिटल परिवर्तन और तकनीक अपनाने पर विशेष जोर...
>> प्रमुख योजनाओं की सूची (लिस्ट)...
>> रणनीतिक साझेदारी को मजबूती तीन गुना बढ़ा व्यापार, एफटीए से और उम्मीदें...
>> व्यापार और निवेश के आंकड़े...
>> पोलैंड की प्रतिक्रिया भारतीय एमएसएमई इकोसिस्टम की सराहना और सहयोग की प्रतिबद्धता...
>> पोलैंड की प्रमुख प्रतिबद्धताएं...
>> सहमति उद्यम विकास, नवाचार और बाजार संपर्क में साझेदारी बढ़ाने पर सहमति...
>> सहमति के प्रमुख बिंदु...
>> अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)...

भारत और पोलैंड के बीच सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) क्षेत्र में सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक हुई। इस बैठक में डिजिटल परिवर्तन, नवाचार और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। यह कदम दोनों देशों के बीच बढ़ती आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करेगा और एमएसएमई व्यवसायियों के लिए नए द्वार खोलेगा। इस लेख में हम इस ऐतिहासिक बैठक, सरकार की प्रमुख पहलों और आपके व्यवसाय के लिए संभावित अवसरों पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

द्विपक्षीय बैठक: भारत-पोलैंड ने एमएसएमई सहयोग के नए आयामों प

हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित इस उच्च-स्तरीय बैठक की सह-मेजबानी भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने की। पोलैंड के आर्थिक विकास एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के उप मंत्री माइकल बरानोवस्की के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने इसमें भाग लिया। दोनों पक्षों ने एमएसएमई क्षेत्र में आपसी सहयोग को बढ़ाने पर मंथन किया।

बैठक के मुख्य उद्देश्य

>> डिजिटल परिवर्तन: छोटे उद्योगों को डिजिटल अपनाने में मदद देने के तरीकों पर चर्चा।

>> नवाचार को बढ़ावा: नए विचारों और तकनीकी समाधानों के आदान-प्रदान पर जोर।

>> व्यापार और निवेश: दोनों देशों के बीच एमएसएमई के लिए नए बाजार और निवेश के अवसर तलाशना।

एमएसएमई मंत्रालय के सचिव भारत खेरा ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए भारतीय एमएसएमई इकोसिस्टम की व्यापक तस्वीर पेश की। इस बैठक के बाद कई नए समझौतों और साझेदारियों की उम्मीद जगी है।

भारत का एमएसएमई क्षेत्र: आर्थिक विकास, रोजगार और निर्यात का

भारत का एमएसएमई क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यह क्षेत्र न केवल जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान देता है, बल्कि करोड़ों लोगों को रोजगार भी प्रदान करता है। बैठक में सचिव भारत खेरा ने इस क्षेत्र की उपलब्धियों से पोलैंड को अवगत कराया।

भारतीय एमएसएमई के आंकड़े (ताजा आंकड़े)

देश में 8.6 करोड़ से अधिक पंजीकृत एमएसएमई हैं, जो देश के आर्थिक ढांचे को मजबूती प्रदान करते हैं। इस क्षेत्र के योगदान को समझना बेहद जरूरी है:

>> जीडीपी में योगदान: लगभग 30%

>> विनिर्माण उत्पादन: एक-तिहाई से अधिक

>> निर्यात में हिस्सेदारी: लगभग 50% (आधा)

>> रोजगार: लगभग 33 करोड़ लोगों की आजीविका का आधार

यह क्षेत्र भारत को आत्मनिर्भर बनाने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक मजबूत कड़ी के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सरकार की प्रमुख पहलें: डिजिटल परिवर्तन और तकनीक अपनाने पर वि

भारत सरकार एमएसएमई को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए लगातार नई योजनाएं ला रही है। बैठक में सचिव ने कई प्रमुख पहलों की जानकारी दी, जिनमें डिजिटल परिवर्तन और तकनीक अपनाने पर विशेष जोर है।

प्रमुख योजनाओं की सूची (लिस्ट)

>> उद्यम पंजीकरण पोर्टल:आसान और पेपरलेस रजिस्ट्रेशन के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म।

>> क्रेडिट गारंटी योजना:बिना गारंटी के आसानी से ऋण उपलब्ध कराने वाली योजना।

>> प्रौद्योगिकी केंद्र:नई तकनीक सीखने और अपनाने के लिए सुविधाएं।

>> जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट (ZED):गुणवत्ता और टिकाऊ विनिर्माण को बढ़ावा देने वाली योजना।

इन पहलों से एमएसएमई को डिजिटल बनने, तकनीक अपनाने और अपने उत्पादों की गुणवत्ता सुधारने में मदद मिल रही है।

रणनीतिक साझेदारी को मजबूती: तीन गुना बढ़ा व्यापार, एफटीए से

भारत और पोलैंड के बीच रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। पोलैंड मध्य और पूर्वी यूरोप में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। बैठक में एमएसएमई सचिव ने इस साझेदारी की प्रगति पर प्रकाश डाला।

व्यापार और निवेश के आंकड़े

दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार में पिछले कुछ वर्षों में तीन गुना वृद्धि हुई है। यह वृद्धि दर्शाती है कि दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध कितने मजबूत हो चुके हैं। सचिव ने विश्वास जताया कि:

एफटीए से छोटे व्यवसायियों को नए बाजारों तक पहुंचने में आसानी होगी और निर्यात के अवसर बढ़ेंगे।

पोलैंड की प्रतिक्रिया: भारतीय एमएसएमई इकोसिस्टम की सराहना और

पोलैंड के उप मंत्री माइकल बरानोवस्की ने भारत के एमएसएमई इकोसिस्टम में हुई उल्लेखनीय प्रगति की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत में सरकार की नीतियों और पहलों ने छोटे उद्योगों को दुनिया से जोड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है।

पोलैंड की प्रमुख प्रतिबद्धताएं

>> संस्थागत साझेदारी:2024 में NSIC और पोलिश एजेंसी PARP के बीच शुरू हुई साझेदारी को और मजबूत करना।

>> बिजनेस-टू-बिजनेस (B2B) संबंध:दोनों देशों के उद्योगों के बीच सीधे संपर्क को बढ़ावा देना।

>> सहयोग का विस्तार:डिजिटल परिवर्तन और नवाचार में एक साथ काम करने की इच्छा जताई।

पोलैंड की इस प्रतिक्रिया से दोनों देशों के बीच भरोसे और सहयोग की भावना को बल मिला है।

सहमति: उद्यम विकास, नवाचार और बाजार संपर्क में साझेदारी बढ़ा

बैठक के अंत में दोनों पक्षों ने कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। यह सहमति दोनों देशों के एमएसएमई के लिए एक नई शुरुआत का संकेत है।

सहमति के प्रमुख बिंदु

>> उद्यम विकास:नए उद्योगों को शुरू करने और उन्हें बढ़ाने में मदद।

>> डिजिटल परिवर्तन:डिजिटल टूल्स और तकनीक को अपनाने में सहयोग।

>> प्रौद्योगिकी और नवाचार:नई तकनीकों के विकास और हस्तांतरण के लिए साझेदारी।

>> बाजार संपर्क:एक-दूसरे के बाजारों तक पहुंच को आसान बनाना।

>> व्यापार और निवेश:निर्यात और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए सामूहिक प्रयास।

इस सहमति से दोनों देशों के MSME इकोसिस्टम के बीच मजबूत संस्थागत साझेदारी विकसित होने की उम्मीद है।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

बैठक का मुख्य उद्देश्य एमएसएमई क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन, नवाचार, प्रौद्योगिकी और व्यापार पर सहयोग बढ़ाने के नए आयामों पर चर्चा करना था।

देश में 8.6 करोड़ से अधिक एमएसएमई पंजीकृत हैं, जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभात